JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

अम्बेडकर नगर जनपद में ग्रामीण कृषि भूमि उपयोग की स्थिति का विश्लेषण

प्रीति तिवारी (शोधार्थी)

भूगोल विभाग

वीर कुँवर विश्वविद्यालय, आरा

शोध निर्देशक

प्रो० नारेन्द्र सिंह

विभागाध्यक्ष

भूगोल विभाग

वीर कुँवर विश्वविद्यालय, आरा

सार

अम्बेडकर नगर में कृषि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है। यह एक अल्प विकसित क्षेत्र है, जहाँ अभी भी परम्परागत एवं अल्पवर्धित तरीकों द्वारा कृषि की जाती है, तथा जिसके कारण भूमि की उर्वरकता बहुत कम है। यहाँ की कृषि स्वतंत्रता के समय से ही आर्थिक गतिरोध से प्रभावित रही है। यहाँ कि कृषक जनसंख्या 37.9 प्रतिशत तथा कृषि श्रमिक 30.9 प्रतिशत है। इस क्षेत्र की कृषि की प्रमुख विशेषताएं है–दो फसलीय क्षेत्र का अभाव, सिचाई की कमी, अनीयमित वर्षा के कारण शुष्क खेती का प्रचलन, मिश्रित कृषि प्रणाली और व्यवसायिक फसलों की कमीं तथा कृषि करने का परम्परागत तरीका।

प्रस्तावना

मानव जीवन की दृष्टि से कृषि का विशिष्ट महत्व है। क्योंकि कृषि ही मानव जीवन का आधार है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। देश की श्रम शक्ति का लगभग दो तिहाई भाग कृषि क्षेत्र से आजीविका प्राप्त करता है। कृषि के द्वारा मानव अपना भरण–पोषण तथा आर्थिक विकास करता है। कृषि के विकास के साथ–साथ मानव सभ्यता विकसित हुई। मानव की सबसे प्राचीन प्राथमिक एवं आर्थिक क्रिया कृषि है। इस क्रिया के फलस्वरूप भूमि को जोत कर फसलोंत्पादन किया जाता है, फसलोंत्पादन के लिये आधुनिक उपकरणों की आवश्यकता पड़ती है। वर्तमान समय में कृषि का अपना एक स्थान है, जिसके लिये भारत सरकार द्वारा एवं कृषि मंत्रालय द्वारा फसलोंत्पादन को बढ़ाने के लिये हरित क्रान्ति एवं यन्त्रीकरण की सुविधाओं द्वारा कृषि व्यवसाय को प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप भारत देश आज खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से आत्मनिर्भर की श्रेणी में आ गया है।

भारत देश में 1426 लाख हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का 20.2 प्रतिशत से अधिक योगदान है। अतः इस कथन में कोई अतिश्योक्ति नहीं है, कि कृषि भारत के लोगों का मात्र जीवकोपार्जन का साधन ही नहीं बल्कि यह जीवन का तरीका है।

अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र (जनपद अम्बेडकर नगर, उत्तर प्रदेश) का अक्षांशीय विस्तार 26° 15′ उत्तर से 26° 45′ उत्तरी अक्षांशों के मध्य और देशान्तरीय विस्तार 82° 15′ पूर्वी देशान्तरों से 83° 5′ पूर्वी देशान्तरों के मध्य है।

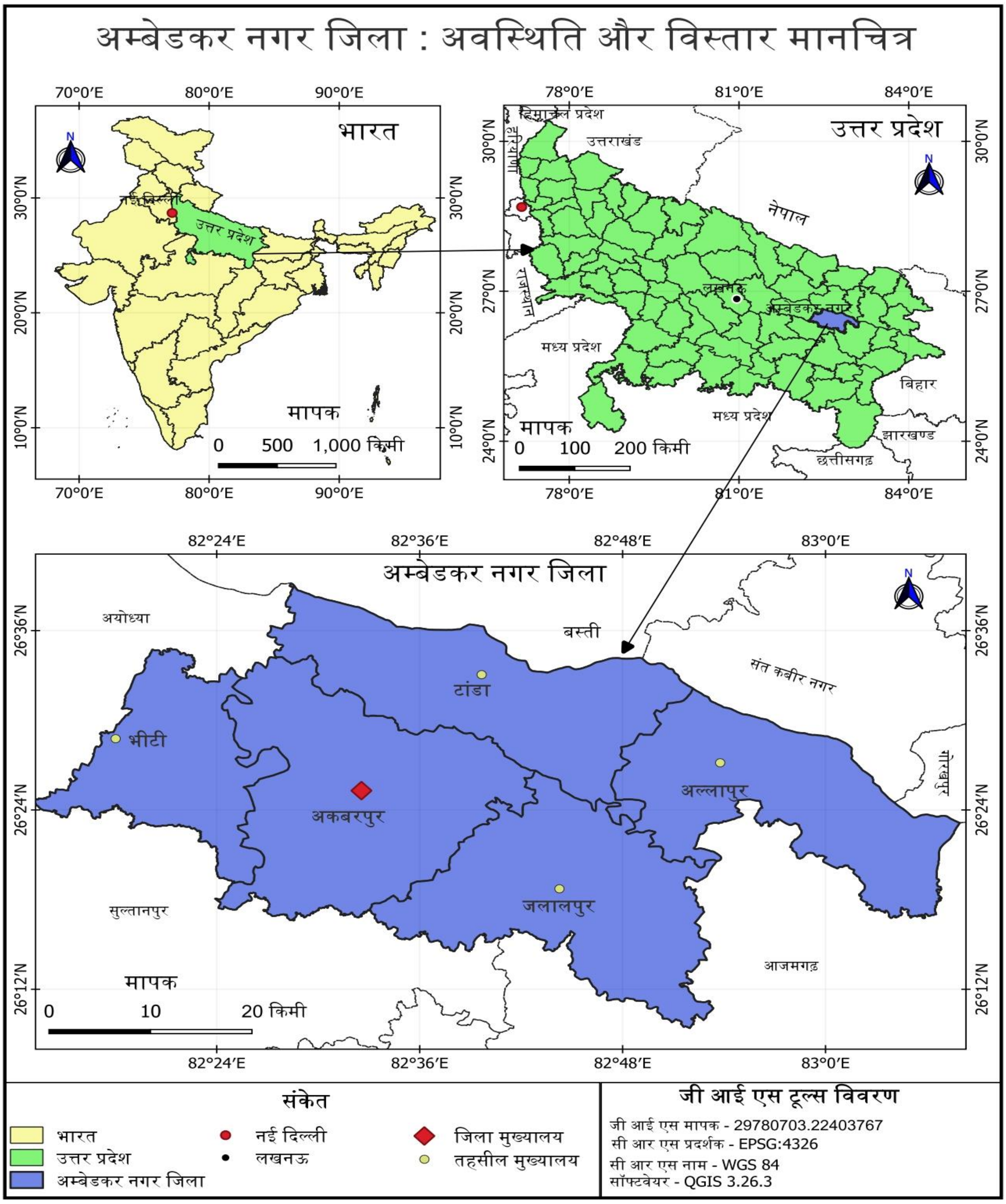

अध्ययन क्षेत्र का सम्पूर्ण क्षेत्रफल 2299.89 वर्ग किलोमी0 है। इसके अन्तर्गत अकबरपुर, जलालपुर, टाण्डा और आलापुर तहसीलें आती हैं, जिसमें अकबरपुर तहसील के अन्तर्गत भीटी, कटहरी और अकबरपुर विकास खण्ड आते हैं। जलालपुर तहसील के अन्तर्गत जलालपुर और भियाँव विकास खण्ड आते हैं, टाण्डा तहसील के अन्तर्गत टाण्डा और बसखारी विकास खण्ड आते हैं तथा आलापुर तहसील के अन्तर्गत रामनगर और जहागीरगंज विकास खण्ड आते हैं। तहसील अकबरपुर के अन्तर्गत भीटी विकास खण्ड में करमजीत, बाला पकौली, भरौली, काछासारी पट्टी, जैतपुरखास, रूदऊपुर, भीटी, तेरिया, जैतपुर, खेजुरी और मुकुन्दीपुर न्याय पंचायतें हैं। कटेहरी विकास खण्ड के अन्तर्गत सुमेरपुर, प्रतापपुर चमुरखा, खेमापुर, अशरफपुर बरवां, मरथुआ सरैया, अमावाँ, सबना, चिट्टीपारा, औरंग नगर, महरूवा और ससीरपुर न्याय पंचायतें आती हैं तथा अकबरपुर विकास

अध्ययन क्षेत्र जनपद अम्बेडकर नगर वृहद स्तर पर यह मध्य गंगा मैदान का अभिन्न अंग है जिसकी उत्तरी सीमा प्राकृतिक है, क्योंकि उत्तर में घाघरा नदी प्रवाहित होती है तथा दक्षिण में मझुई नदी इसकी प्राकृतिक सीमा का निर्धारण करती है। इसके पूरब में आजमगढ़, दक्षिण में सुल्तानपुर तथा पश्चिम में जनपद फैजाबाद है तथा उत्तर में जनपद बस्ती है।

विधितंत्र

वर्तमान अध्ययन का मुख्य उद्देश्य कृषि भूमि हेतु योजना तैयार करना है। यह योजना जनपद में राज्य एवं केन्द्र सरकार के प्रकाशित एवं अप्रकाशित सूचनाओ तथा सांख्यिकीय आंकड़े मुख्य सूचना स्रोत होंगे समुचित आंकड़े एकत्रित करने के लिये सर्वेक्षण आपेक्षित है। यह आंकड़े सामान्यता दो रूप में मिलते है।प्रस्तुत शोध पत्र में शोध विधि के अंतर्गत शोधार्थी द्वारा द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। इन आंकड़ों का विश्लेषण शोधार्थी ने एम एस एक्सल एप्लीकेशन पर किया है। जिनका विश्लेषण पुनः सारणी एवं आरेख के माध्यम से शोधार्थी ने प्रस्तुत किया है। शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र की आवश्यकता मानचित्र को आरकेजी आईएएस एप्लीकेशन पर शोधार्थी द्वारा तैयार किया गया है।

उद्देष्य

प्रमुख शोधकार्य निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर पूर्ण करने का प्रयास किया जायेगा।

1. कृषि भूमि उपयोग का अध्ययन करना।
2. सकल बोया गया क्षेत्र का विश्लेषण करना।

सारणी क्रमांक 1

कृषि भूमि उपयोग								
विकासखण्ड	वन	कृष्य बेकार भूमि	वर्तमान परती	अन्य परती	ऊसर एव कृषि के अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि	चारागाह	उद्यानों वृक्षों एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल
भीटी	28	386	780	196	269	3067	62	298
कटेहरी	15	531	1526	117	289	2810	190	219
अकबरपुर	84	741	1763	82	698	4900	91	197
टांडा	109	772	685	551	419	9314	37	1114
बसखारी	12	313	269	279	198	5091	23	64
रामनगर	22	337	360	164	295	4598	53	53
जहांगीरगंज	1	257	684	257	286	4516	18	74
जलालपुर	25	600	410	476	523	4696	67	167
भियाँव	32	407	378	466	184	3361	23	39
योग जनपद	328	4468	7114	2622	3324	43700	588	2283

आरेख क्रमांक 1

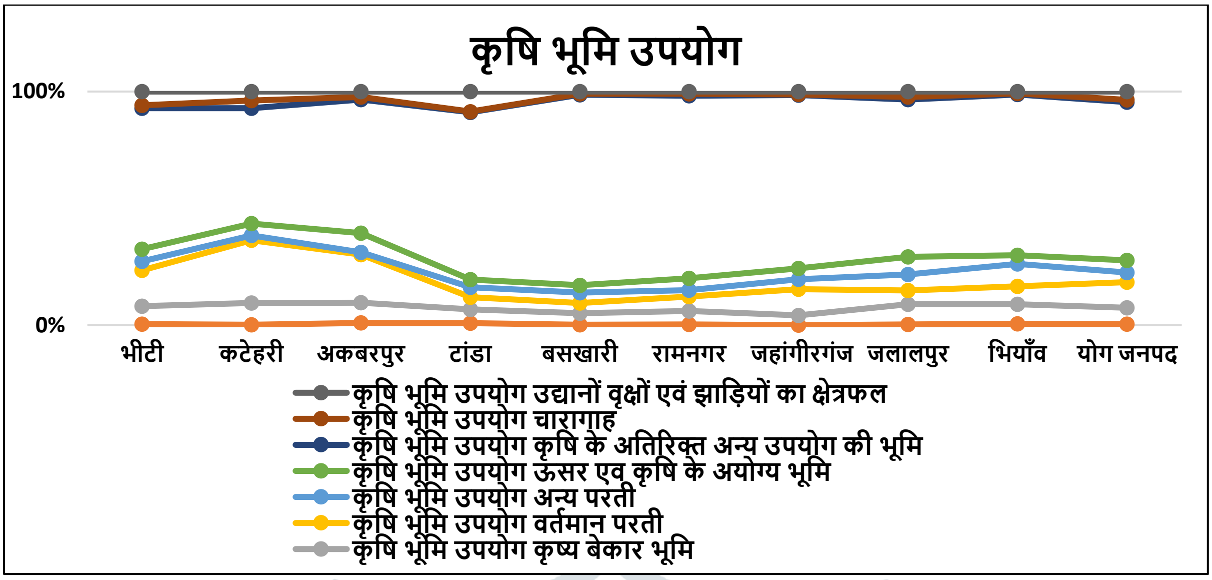

कृषि भूमि उपयोग

सारणी क्रमांक 1 में शोधार्थी ने अध्ययन क्षेत्र अंबेडकर नगर के विभिन्न विकासखंडों में कृषि भूमि उपयोग का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है। जिसके अंतर्गत वन, कृषि बेकार भूमि, वर्तमान परती भूमि, अन्य परती भूमि,एवं कृषि अयोग्य भूमि, अन्य उपयोग की भूमि, एवं उद्यान झाड़ियों आदि श्रेणी में विभाजित किया है। जहां वन के लिए कुल क्षेत्रफल 322 हेक्टेयर है, जिसमें सर्वाधिक क्षेत्रफल टांडा विकासखंड में 169 हेक्टेयर एवं अकबरपुर विकासखंड में 8432 हेक्टेयर भीटी में 28 हेक्टेयर जलालपुर में 25 हेक्टेयर क्षेत्र वन के लिए उनके लिए विस्तृत है। किसी बेकार भूमि का कुल क्षेत्रफल अध्ययन क्षेत्र में 4468 हेक्टेयर है जिसमें सर्वाधिक क्षेत्र सास 17213 हेक्टेयर टांडा विकासखंड में 741 हेक्टेयर अकबरपुर विकासखंड में 600 हेक्टेयर जलालपुर विकासखंड में है जबसे जबकि सबसे कम कृषि विकास भूमि 257 हेक्टेयर जहांगीरगंज विकासखंड में है वर्तमान प्रति का कुल क्षेत्रफल अध्ययन क्षेत्र में 7114 हेक्टेयर है जिसमें 1763 हेक्टेयर भूमि अकबरपुर विकासखंड में सर्वाधिक है एवं 1526 हेक्टेयर भूमि कटेहरी विकासखंड में है साथ ही 780 हेक्टेयर विकासखंड में 685 हेक्टेयर टांडा विकासखंड में 269 हेक्टेयर बसखारी विकासखंड में है कृषि योग्य भूमि क्षेत्रफल विकासखंड में 3324 है जिसमें सर्वाधिक 698 जलालपुर विकासखंड में और 419 विकासखंड में 184 हेक्टेयर बिहार विकासखंड में है। उपयोग के लिए भूमि क्षेत्रफल अध्ययन क्षेत्र में 46700 हेक्टेयर है। जिसमें सर्वाधिक क्षेत्रफल टांडा विकासखंड में 9314 हेक्टेयर, एवं 5091 हेक्टेयर बसखारी विकासखंड में है। जबकि सबसे कम 2810 हेक्टेयर कटेहरी विकासखंड में विस्तृत है। चारागाह के अंतर्गत क्षेत्र में कुल क्षेत्रफल 588190 हेक्टेयर सर्वाधिक कटेहरी विकासखंड में जलालपुर विकासखंड में 18 हेक्टेयर, जहांगीरगंज विकासखंड में है । उद्यान एवं झाड़ियों के लिए क्षेत्रफल में क्षेत्र में 2283 हेक्टेयर जिस में सर्वाधिक क्षेत्रफल 1114 हेक्टेयर टांडा विकास खंड में है, एवं 298 हेक्टेयर भीटी विकासखंड में, 39 हेक्टेयर भियांव विकासखंड में है।

सारणी क्रमांक 2

सकल बोया गया क्षेत्रफल									
विकासखण्ड	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	कुल	रबी	खरीफ	जायद	गन्ने के लिये तैयार की गई भूमि	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	सकल सिंचित क्षेत्रफल
भीटी	14722	11618	26340	11786	12867	1624	2	14452	26350
कटेहरी	19770	11940	31710	15951	14472	1297	2	19158	29380
अकबरपुर	26309	23791	50100	21251	26649	2193	3	25933	49349
टांडा	22276	16512	38788	19444	17164	2111	0	22149	33658
बसखारी	14471	10151	24622	10768	12486	1352	0	14140	24407
रामनगर	18575	11608	30183	15327	13499	1355	0	18136	28218
जहांगीरगंज	15836	9285	25121	12121	12098	939	1	13778	23403
जलालपुर	19549	14374	33923	14138	18254	1555	2	19077	34662
भियॉव	15550	8153	23703	10874	11940	945	1	14212	23703
योग जनपद	171776	118208	289984	134504	141873	13596	11	163832	278406

आरेख क्रमांक 2

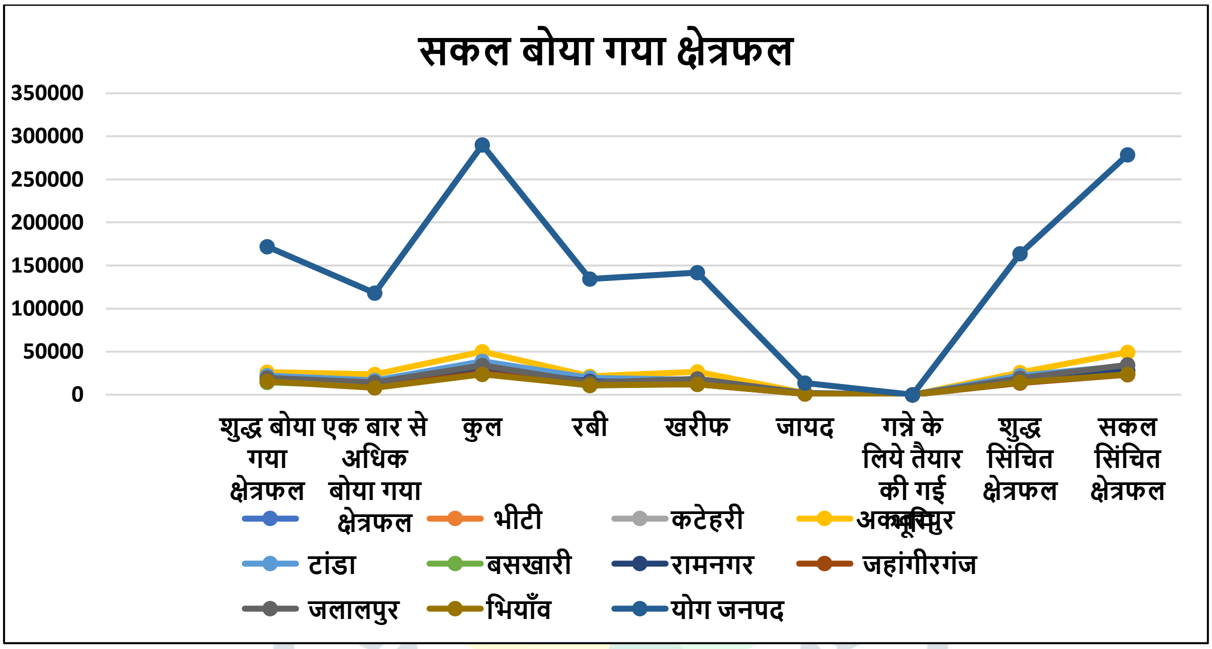

सकल बोया गया क्षेत्र

सारणी क्रमांक 2 के अंतर्गत शोधार्थी अध्ययन क्षेत्र अंबेडकरनगर जनपद के सकल बोया गया क्षेत्र को स्पष्ट किया । जिसके अंतर्गत शुद्ध बोया गया, 1 बार से अधिक बोया गया, कुल, रवी, खरीफ, एवं जायद करने के लिए, तैयार भूमि, शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल, एवं सकल सिंचित क्षेत्र, का विवरण दिया है । जिसके अंतर्गत जनपद में शुद्ध बोया गया कुल क्षेत्रफल 171776 हेक्टेयर, जिसमें 26309 हेक्टेयर भूमि सर्वाधिक अकबरपुर विकासखंड में, एवं 22276 हेक्टेयर टांडा विकासखंड में, साथ ही 19770 हेक्टेयर कटेहरी विकासखंड में है। जबकि सबसे कम शुद्ध बोया गया क्षेत्र 14722 हेक्टेयर भीटी विकासखंड में है। 1 बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल अध्ययन क्षेत्र में कुल 118208 है । जिसमें सर्वाधिक क्षेत्रफल 23791 हेक्टेयर अकबरपुर विकासखंड में, एवं 16512 हेक्टेयर टांडा विकासखंड में है, जबकि सबसे कम 8153 हेक्टेयर भी भियांव विकासखंड में है।

रवी फसल का कुल क्षेत्रफल अध्ययन क्षेत्र अंबेडकरनगर में 134504 हेक्टेयर है। जिसमें सर्वाधिक क्षेत्रफल 21251 अकबरपुर विकासखंड में 19444 हेक्टेयर टांडा विकासखंड में, एवं 15951 हेक्टेयर कटेहरी विकासखंड में है। खरीफ फसल के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल 141873 हेक्टेयर हैं । जिसमें सर्वाधिक क्षेत्रफल अकबरपुर विकासखंड में 26649 हेक्टेयर है, एवं जलालपुर विकासखंड में 18254 जलालपुर है । 17164 हेक्टेयर खरीफ फसल की खेती टांडा विकासखंड में की जाती है, एवं सबसे कम 11940 हेक्टेयर क्षेत्र पर करीब की खेती विकासखंड में की जाती है।

तैयार की गई कुल भूमि मात्र 11 हेक्टेयर है, जिस में सर्वाधिक क्षेत्रफल अकबरपुर विकासखंड में भीटी, कटेहरी, एवं जलालपुर विकासखंड में 2 हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती के लिए भूमि तैयार की गई है। सकल सिंचित क्षेत्र के अंतर्गत

अध्ययन क्षेत्र में 278406 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, जिस में सर्वाधिक क्षेत्र 49349 हेक्टेयर अकबरपुर विकासखंड में, एवं 34662 हेक्टेयर जलालपुर विकासखंड में क्षेत्रफल है।

साहित्यिक समीक्षा

कृषि भूगोल सम्बन्धी अध्ययन कृषि वैज्ञानिकों, कृषि अर्थशास्त्रियों तथा भूगोलविदों के द्वारा अपने–अपने ढंग से किया जाता है। तेरहवी शताब्दी के उत्तरार्द्व में कृषि भूगोल का विधिवत अध्ययन प्रारम्भ हुआ। सर्वप्रथम फेडरिक 1907 तथा हेटनर 1905 ने कृषि भूगोल के लक्ष्य तथा विषय वस्तु की विवेचना की। क्रिजमोंवास्की 1911 में कृषि भूगोल का वैज्ञानिक अध्ययन तथा वेवल ने कृषि समस्याओं का अध्ययन प्रस्तुत किया।

कृषि भूगोल से सम्बन्धित शोधकार्य में देश पाण्डेय 1942 ने महाराष्ट्र के तीन जिलों–बेलगाँव, बीजापुर एवं धारवार के कपास उत्पादन का अध्ययन किया। उत्तर भारत में सर्वप्रथम बी0एन0 मुखर्जी ने उ0प्र0 के कृषि भूगोल पर एडिनवरा विश्वविद्यालय से पी–एच0डी0 की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने प्रदेश को 4 बड़े कृषि विभागों तथा 10 उपविभागों में व्यक्त कर प्रदेश के कृषि प्रारूप का वर्णन किया। ए0बी0 मुखर्जी 1951 में उत्तरी गंगा–यमुना दोआब की कृषि का वर्णन जनजाति की अर्थव्यवस्था के संदर्भ में किया। इन्होंने मेरठ जिले के चार गाँवों को चुनकर उनकी कृषि पद्धति, फसल चक्र मुद्रादायिनी फसले आदि का विस्तृत विश्लेषण कर यह स्पष्ट करने का प्रयत्न किया है कि उन क्षेत्रों में कृषि अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा क्यों अधिक विकसित है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध पत्र में शोधार्थी द्वारा कृषि भूमि उपयोग एवं अध्ययन क्षेत्र में के विभिन्न विकास खंडों में कृषि भूमि प्रयोग एवं उनकी संख्या के विश्लेषण हेतु यह शोध प्रस्तुत है। जिसमें शोधार्थी ने जिला सांख्यिकी पुस्तिका 2022 प्राप्त आंकड़ों के आधार पर अध्ययन क्षेत्र के कृषि भूमि उपयोग का भौगोलिक विश्लेषण विकासखंड वार प्रस्तुत किया हैं। जहां अकबरपुर विकासखंड में 26309 हेक्टेयर भूमि शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल में सर्वाधिक है जिसमें सर्वाधिक क्षेत्रफल अकबरपुर विकासखंड में 26649 हेक्टेयर है, एवं जलालपुर विकासखंड में 18254 हेक्टेयर जलालपुर है । रवी फसल का कुल क्षेत्रफल अध्ययन क्षेत्र अंबेडकरनगर में 134504 हेक्टेयर है। जिसमें सर्वाधिक क्षेत्रफल 21251 हेक्टेयर अकबरपुर विकासखंड में 19444 हेक्टेयर टांडा विकासखंड में, एवं 15951 हेक्टेयर कटेहरी विकासखंड में है।

सन्दर्भ

1. Jain, S. C. (1967) Agricultural Development in india, Kitab Mahal, Allahabad.
2. Sankhikiya Patrika-Kanpur Dehat. 2020.
3. Singh Uttar Pradesh Disst. Gazetters, Kanpur 1986
4. Singh Ujagir (1979) Indian economic and regional geography utter Pradesh Hindi Sansthan Lucknow.
5. Tiwari K.C. and Singh, B.N. 1994 agriculture geography, prayag pustak bhavan Allahabad.
6. www.pib.gov.in
7. http://updes.up.nic.in